B.M.A College Baheri Darbhanga (L.N.M.U)
BA (Hons) part-1 पेपर-1
Date 23.3.20
Dr Manoj Kumar Sah
Deptt of pol-sci

राजनीति शास्त्र कला है

निम्नलिखित तर्कों के आधार पर राजनीति शास्त्र को कला की श्रेणी में रखा गया है।

(1) प्रथमतः राजनीतिशास्त्र में रसायन-शास्त्र, भौतिकी आदि विज्ञानों की तरह परीक्षण सम्भव नहीं है। उदाहरणार्थ किसी रासायनिक मिश्रण का विश्लेषण करके उसके मूलभूत तत्वों का पता सही तरह से लगाया जा सकता है। इसी प्रकार किसी चीज को ऊपर की तरफ फेंककर पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण शक्ति को समझा जा सकता है। परन्तु राजनीतिशास्त्र में इस प्रकार के परीक्षण नहीं किए जा सकते। इस विषय का सम्बन्ध मनुष्य के जटिल जीवन से है। जिसके पीछे मनुष्य की इच्छायें, बुद्धि और भावनाएँ विश्वास और आदर्श काम करते हैं और ये चीजें निरन्तर बदलती रहती हैं। हम उन पर न तो बाहर से नियन्त्रण रख सकते है और न वैज्ञानिक ढंग से उनका विश्लेषण ही कर सकते हैं। अतः मनुष्य को प्रयोगशाला में रखकर परीक्षण करना असम्भव है।

(2) राजनीतिशास्त्र के नियमों में कारण-कार्य सम्बन्ध स्थापित नहीं किया जा सकता है। राजनीति घटनाओं के पीछे अनेक पेचीदा कारण होते है। अतः कोई घटना किन कारणों से हुई इसका पता लगाना असंभव है। उदाहरणार्थ फ्रांस और रूस की क्रान्तियाँ क्यों हुई, भारत के विभाजन के क्या कारण थे, अंग्रेज भारत छोड़कर क्यों चले गये, किसी देश में लोकतंत्र क्या सफल हुआ और किसी दूसरे देश में क्यों नहीं हुआ, किसी देश के निर्वाचक किस बात को ध्यान में रखकर वोट देते है यादि ऐसे प्रश्न है जिनका वैज्ञानिक ढंग से उत्तर नहीं दिया जा सकता है।

(3) राजनीतिशास्त्र के नियम और निष्कर्ष निश्चित, सार्वभौम और शाश्वत नहीं होते है। क्योंकि मनुष्य का स्वभाव उसके विश्वास और आकांक्षाएँ तथा उसके जीवन की परिस्थितियाँ निरन्तर बदलती रहती है।